"रात नहीं ख्वाब बदलता है

मंजिल नहीं कारवाँ बदलता है;

जज़्बा रखो जीतने का क्योंकि,

किस्मत बदले न बदले,

पर वक्त जरुर बदलता है"

नमस्कार

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज की *हिंदी साहित्य सभा 'मंथन'* द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में *शख़्सियत से मुलाक़ात* नामक शृंखला अपनी अलग पहचान बना रही है। इस शृंखला का उद्देश्य समय-समय पर अलग-अलग क्षेत्रों के विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाक़ात एवं परिचर्चा करना है। इसी क्रम में और *'आज़ादी के अमृत महोत्सव'* के अवसर पर इस बार हमारे अतिथि हैं, कवि और कथाकार *डॉ. टेकचन्द*

✍️ *_शख़्सियत से मुलाक़ात*_ ✍️

🔊 वक्ता 🔊

डॉ. टेकचन्द

(कवि और कथाकार)

⚡ *दिनांक* - 8 नवंबर, 2021

🕛 *समय* - दोपहर 12:30 बजे

💫 *माध्यम* - ज़ूम

ज़ूम लिंक ---
https://us02web.zoom.us/j/88923999795?pwd=RXE5STBCdjM5eUpXMjNzbHhUNjFOdz09

🌷 इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित हैं। 🌷

*धन्यवाद 🙏 *

अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया पेजों से जुड़ें।

इंस्टाग्राम : https://instagram.com/manthan.sgndkhalsa?utm_medium=copy_link

फेसबुक : https://www.facebook.com/Manthansgndkhalsa-107215808359031/

यूट्यूब : https://www.youtube.com/channel/UCIxEUNNtOBN7PWRGTsk3nAA